दिनांक : 13 फरवरी 2014

संसद में हुए हंगामे ने कांग्रेस की अक्षमता की पोल खोली

- अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

हम काफी समय से कह रहे हैं कि यूपीए शासन करने की इच्छा खो चुकी है। राजनैतिक फैसले लेने और उन फैसलों को लागू करने की उनकी क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आज जो कुछ भी हुआ वह तेलंगाना राज्य के गठन के प्रस्ताव से उत्पन्न राजनैतिक स्थिति से निपटने में यूपीए की अक्षमता को दिखाता है। कांग्रेस पार्टी खुद ही बंटी हुई है। मुख्यतः आंध्र प्रदेश से उसके सांसद संसद को चलने नहीं देने के लिए जिम्मेदार हैं। उसके मुख्यमंत्री ने राज्य में प्रशासन पूरी तरह ठप्प करना सुनिश्चित कर दिया है।

लोक सभा में आज की घटना भारत के संसदीय लोकतंत्र पर गंभीर प्रहार है। आज जो घटना हुई है उससे भारत के लोकतंत्र की कमजोरी सामने आई है और साथ ही लोकतंत्र की बदनामी हुई है। संसद की कार्यवाही में बाधा पहुंचाने के लिए खतरनाक और वर्जित चीजों का इस्तेमाल किया गया। सदस्य समझ भी नहीं पाए कि असल में क्या हुआ। इसके विपरीत तेलंगाना और सीमान्ध्र सहित भाजपा के सभी सदस्य तेलंगाना राज्य के गठन के समर्थन में समन्वित रवैया अपना रहे हैं और सीमान्ध्र के लोगों की जायज चिंताओं को भी दूर कर रहे हैं। दुख की बात है कि यूपीए इस दिशा में पूरी तरह विफल रहा है। वर्तमान संकट इसी विफलता के कारण हुआ। स्थिति से लापरवाही से निपटने की पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस और अकेले कांग्रेस को लेनी चाहिए। सरकार को जो होमवर्क करना चाहिए था उसने नहीं किया। अगर उसने पर्याप्त होमवर्क किया होता तो इस स्थिति से बचा जा सकता था।

*****